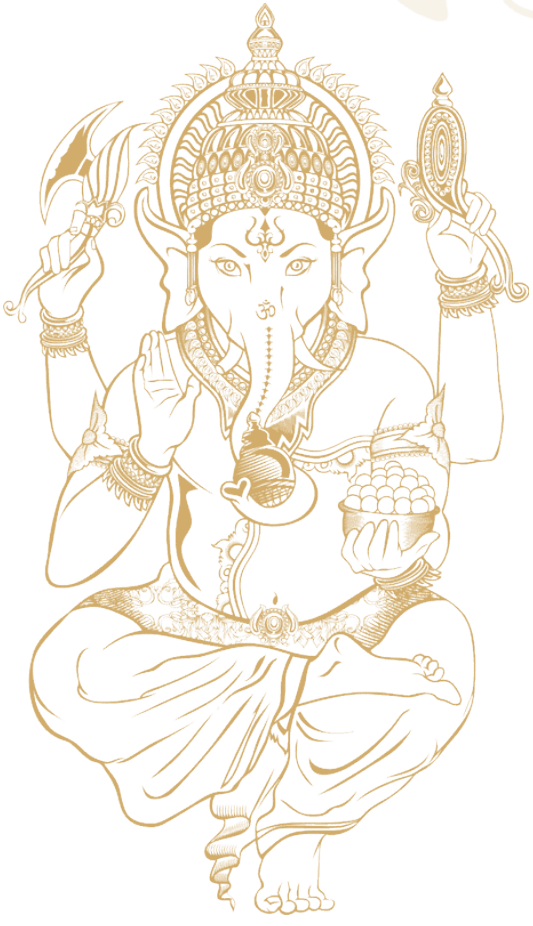

Mr.

27 Jan 2001

11:30 AM

Coimbatore

Model: web-freekundliweb

Order No: 121627403

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**27/01/2001**
दिन	शनिवार
जन्म समय	**11:30:00 घंटे**
इष्ट	11:49:01 घटी
स्थान	**Coimbatore**
राज्य	Tamil Nadu
देश	India

अक्षांश	11:00:00 उत्तर
रेखांश	76:58:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:22:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	11:07:52 घंटे
वेलान्तर	-00:12:46 घंटे
साम्पातिक काल	19:34:13 घंटे
सूर्योदय	06:46:23 घंटे
सूर्यास्त	18:23:30 घंटे
दिनमान	11:37:07 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शिशिर
सूर्य के अंश	13:29:49 मकर
लग्न के अंश	03:44:56 मेष

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मेष - मंगल
राशि-स्वामी	**कुम्भ - शनि**
नक्षत्र-चरण	**शतभिषा - 2**
नक्षत्र स्वामी	राहु
योग	वरियान
करण	तैतिल
गण	राक्षस
योनि	अश्व
नाड़ी	आद्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	मेष
युँजा	अन्त्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	सा-सात्विक
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कुम्भ

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मेष	03:44:56	411:05:28	अश्विनी	2	1	मंगल	केतु	चंद्र	---
सूर्य			मक	13:29:49	01:01:00	श्रवण	2	22	शनि	चंद्र	राहु	शत्रु राशि
चंद्र			कुंभ	12:45:20	11:55:32	शतभिषा	2	24	शनि	राहु	बुध	सम राशि
मंगल			तुला	26:04:39	00:33:21	विशाखा	2	16	शुक्र	गुरु	केतु	सम राशि
बुध			कुंभ	01:50:08	01:09:16	धनिष्ठा	3	23	शनि	मंगल	बुध	सम राशि
गुरु			वृष	07:19:33	00:00:23	कृतिका	4	3	शुक्र	सूर्य	केतु	शत्रु राशि
शुक्र			मीन	00:13:08	00:56:15	पू०भाद्रपद	4	25	गुरु	गुरु	चंद्र	उच्च राशि
शनि			वृष	00:11:47	00:00:15	कृतिका	2	3	शुक्र	सूर्य	राहु	मित्र राशि
राहु	व		मिथु	21:31:58	00:03:47	पुनर्वसु	1	7	बुध	गुरु	गुरु	उच्च राशि
केतु	व		धनु	21:31:58	00:03:47	पूर्वाषाढ़ा	3	20	गुरु	शुक्र	गुरु	उच्च राशि
हर्ष			मक	26:11:05	00:03:25	धनिष्ठा	1	23	शनि	मंगल	गुरु	---
नेप			मक	12:25:58	00:02:17	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	राहु	---
प्लूटो			वृश्चि	20:43:28	00:01:35	ज्येष्ठा	2	18	मंगल	बुध	शुक्र	---
दशम भाव			धनु	27:55:39	--	उत्तराषाढ़ा	--	21	गुरु	सूर्य	चंद्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:52:04

लग्न-चलित

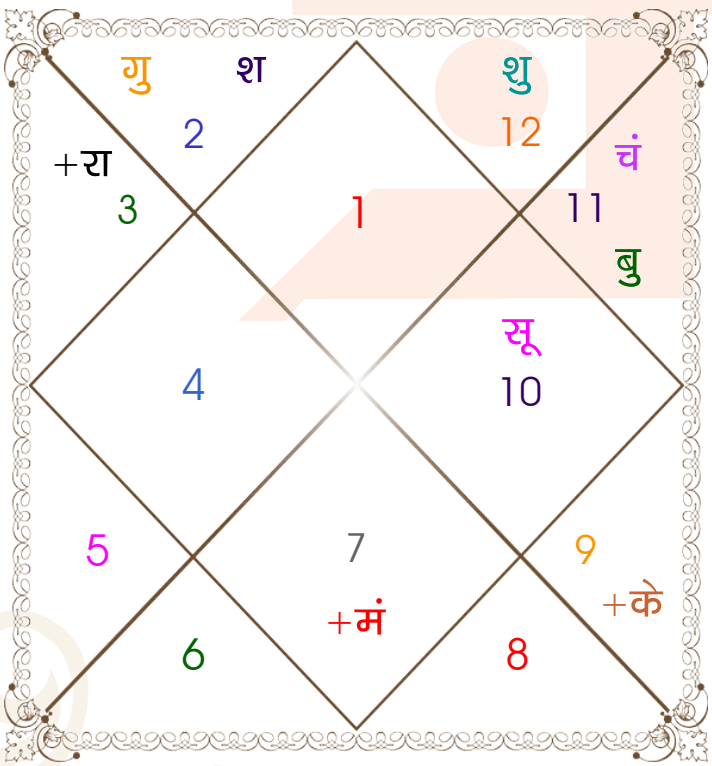

चन्द्र कुंडली

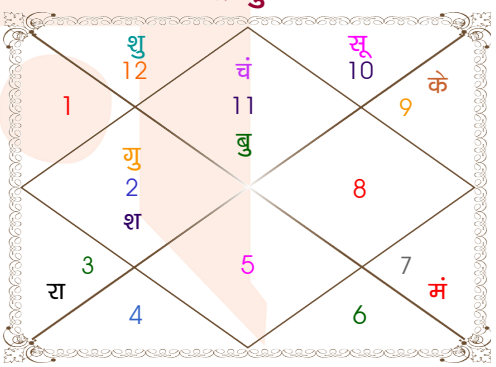

नवमांश कुंडली

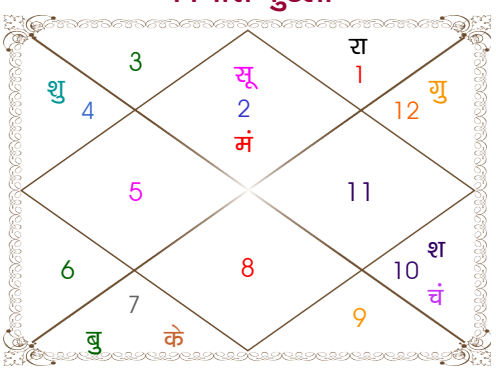

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : राहु 9 वर्ष 9 मास 10 दिन

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
27/01/2001		08/11/2010		08/11/2026		08/11/2045		08/11/2062	
08/11/2010		08/11/2026		08/11/2045		08/11/2062		08/11/2069	
	00/00/0000	गुरु	26/12/2012	शनि	11/11/2029	बुध	06/04/2048	केतु	06/04/2063
	00/00/0000	शनि	10/07/2015	बुध	21/07/2032	केतु	03/04/2049	शुक्र	05/06/2064
	27/01/2001	बुध	15/10/2017	केतु	30/08/2033	शुक्र	02/02/2052	सूर्य	11/10/2064
बुध	10/05/2003	केतु	20/09/2018	शुक्र	29/10/2036	सूर्य	08/12/2052	चंद्र	12/05/2065
केतु	27/05/2004	शुक्र	21/05/2021	सूर्य	11/10/2037	चंद्र	10/05/2054	मंगल	08/10/2065
शुक्र	28/05/2007	सूर्य	10/03/2022	चंद्र	13/05/2039	मंगल	07/05/2055	राहु	27/10/2066
सूर्य	21/04/2008	चंद्र	10/07/2023	मंगल	21/06/2040	राहु	23/11/2057	गुरु	03/10/2067
चंद्र	21/10/2009	मंगल	15/06/2024	राहु	28/04/2043	गुरु	29/02/2060	शनि	11/11/2068
मंगल	08/11/2010	राहु	08/11/2026	गुरु	08/11/2045	शनि	08/11/2062	बुध	08/11/2069

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
08/11/2069		08/11/2089		08/11/2095		09/11/2105		09/11/2112	
08/11/2089		08/11/2095		09/11/2105		09/11/2112		00/00/0000	
शुक्र	09/03/2073	सूर्य	25/02/2090	चंद्र	08/09/2096	मंगल	07/04/2106	राहु	23/07/2115
सूर्य	10/03/2074	चंद्र	27/08/2090	मंगल	09/04/2097	राहु	26/04/2107	गुरु	15/12/2117
चंद्र	08/11/2075	मंगल	02/01/2091	राहु	09/10/2098	गुरु	31/03/2108	शनि	21/10/2120
मंगल	08/01/2077	राहु	27/11/2091	गुरु	08/02/2100	शनि	10/05/2109	बुध	28/01/2121
राहु	08/01/2080	गुरु	14/09/2092	शनि	09/09/2101	बुध	07/05/2110		00/00/0000
गुरु	08/09/2082	शनि	27/08/2093	बुध	08/02/2103	केतु	04/10/2110		00/00/0000
शनि	08/11/2085	बुध	03/07/2094	केतु	10/09/2103	शुक्र	04/12/2111		00/00/0000
बुध	08/09/2088	केतु	08/11/2094	शुक्र	10/05/2105	सूर्य	10/04/2112		00/00/0000
केतु	08/11/2089	शुक्र	08/11/2095	सूर्य	09/11/2105	चंद्र	09/11/2112		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल राहु 9 वर्ष 9 मा 3 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

ज्योतिषीय गणना के अनुसार यह स्पष्ट होता है कि जिस समय आपका जन्म हुआ था उस समय मेदिनीय क्षितिज पर मेष लग्न का उदय काल एवं वृषभ नवांश तथा मेष राशि का द्रेष्काण का प्रवेश काल विद्यमान था। अश्विनी नक्षत्र के द्वितीय चरण में आपके जन्म प्रभाव से यह संकेत प्राप्त होता है कि आप स्वतंत्रप्रिय, तेजस्वी, उत्साही, समझौते में विश्वास रखने वाले, किसी के समक्ष नतमस्तक नही होने वाले और किसी भी प्रकार से हार नहीं मानने वाले लगनशील तथा जिद्दी प्रवृत्ति के प्राणी हैं।

वास्तविकता तो यह है कि आप तथाकथित रूप से हर क्षण नेतृत्व प्रदान करना पसंद करते हैं। इसके अतिरिक्त खेल कूद भी आपके लिए प्रिय है। आप अपने विचारों के समक्ष किसी अन्य व्यक्ति का विचार को स्वीकार नहीं करते हैं। आप व्यक्तिगत रूप से अपना न्यायपक्ष ही प्रस्तुत करते हैं। आप स्वाभाविक रूप से नेतृत्व प्रदान करने वाले हैं। तथा शीघ्रता पूर्वक किसी भी विषय को कार्यरूप दे देते हैं। आप सुगमता से अपने अधिकारी या सहायक के विचारों को नही मानते हैं। अर्थात् किसी अन्य की सत्ता स्वीकार नही करते।

आप अपनी अति महत्वकांक्षा के प्रति पूर्ण रूपेण अपनी शक्ति का दुरुपयोग करके आनंद प्राप्त करते तथा शीघ्रता पूर्वक अपनी सम्मति प्रस्तुत कर देते हैं। आप पूर्ण रूपेण आश्वस्त हो जाते है कि आपके विचार और कार्य कलाप अकाट्य है। आप सदैव सभी विषयों में अपनी प्रधानता एवं सशक्त रूप से प्रेरणा प्रदान करते हैं। संयोगवश यदि असफलता हाथ लगती है तो आप पश्चाताप का श्रेय दूसरो पर देते तथा पुनः अपनी पूरी शक्ति प्रदर्शन एवं अपने नियंत्रण से पुनः कार्यारंभ कर देते हैं।

आप सभी शंकाओं से रहित एक विश्वासी व्यक्ति हैं। आप व्यक्तिगत रूप से निष्कपट प्राणी है। यदि कोई व्यक्ति अनैतिक आचरण अथवा दाव पेंच से आपके साथ चालाकी या चतुरता से आप पर भारी दबाव डालना चाहता है तो आप उसके साथ विषमता पूर्ण रूख अपना कर निष्ठुर व्यवहार करने पर तत्पर हो जाते हैं। परंतु यदि कोई व्यक्ति इसके अतिरिक्त आपके विरुद्ध किसी को उकसाता है। या आप पर दबाव डालना चाहता है तो इस प्रकार के आचरण को उलझन पूर्ण व्यवहार समझकर सतर्क रहते हैं। कोई पिछली बातों को भुलाकर, विश्वास पूर्वक समझौता करना चाहता है तो आप इमानदारी पूर्वक, क्रोध और निष्ठुरता को त्याग कर अंततोगत्वा आगे आकर अर्थात् मित्रता का हाथ बढ़ा कर एवं संकीर्णता से उपर उठ कर सफलता एवं विजय प्राप्त कर लेते हैं। आप अपने परिवार की समस्याओं पर ध्यान देते तथा पूर्ण सतर्क रह कर अंत में सभी समस्याओं का समाधान करते हैं। आप अपने पारिवारिक समस्याओं को बिना समय नष्ट किए शीघ्रता पूर्वक अर्थात् मनोयोग पूर्वक बिना किसी उपेक्षित भावनाओं से संपादन कर लेते हैं।

आपके परिवार के सभी सदस्य एवं आप स्वयं अपनी माता से पूर्ण रूपेण संबद्ध रहा करते हैं। आपकी पत्नी आपको अपने प्रभाव में रखने का पूर्ण प्रयास करती हैं। ऐसा संभव है कि आप अपनी पत्नी की विशेषताओं पर अमल करने लगें।

आप पूर्ण रूपेण स्वस्थ्य एवं शारीरिक शक्ति से मजबूत रहकर आनंद प्राप्त करेंगे। लेकिन यदि आप पूर्ण सतर्कता से वाहन नही चलाएगें या वाहन चलाते समय कोई नादानी (बचपना) की तो यह संभव है कि आप किसी भी दुर्घटना के शिकार हो सकते हैं तथा आपके सिर में कोई चोट लग सकती है। अतः आपको पूर्ण सर्तकता से कोई भी वाहन चलाना चाहिए अन्यथा कोई (छोटी) साधारण दुर्घटना आपके संपूर्ण जीवन में कभी भी संभाव्य है। अतः आपके लिए यह चेतावनी है कि आप अच्छी तरह नियमित रूप से सुरक्षित गति से वाहन चलाएं।

यदि आप अपने दैनिकचर्या के अनुकूल आचरण नही किए तो यह संभव है कि आप मस्तिष्क रोग के अथवा पक्षाघात के शिकार हो सकते हैं। अतः आप समय-समय पर अपना स्वास्थ्य परीक्षण कराते रहें, ऐसी ज्योतिषीय राय है। आप अपने उत्तम स्वास्थ्य के प्रति सुधार करते रहें। आपके स्वास्थ्य के लिए मांसाहार सर्वथा वर्जित है। सदैव ही शाकाहार भोजन ग्रहण करें।

स्वास्थ्य की तुलना में धन क्या। यह तो कुछ भी नही है। स्वास्थ्य पर सदैव ध्यान देना अनुकूल है। यदि आप नीति पूर्ण ढंग से उचित खर्च करने में मनमानी करेंगे अथवा अपनी क्षमता से अधिक खर्च करेंगे तो आपका संचित धन पर कुप्रभाव पड़ेगा जिस कारण आपकी वार्षिक आय-व्यय का सिलसिला बिगड़ जाएगा। और आपकी कोई भी योजना प्रारंभ होने के समय आर्थिक तंगी के कारण प्रभावित हो जाएगी। यदि आप आनंद प्राप्त करने के लिए किसी बिंदु पर आसक्त हो जाएंगे तो आप शीघ्रता पूर्वक लाभ प्राप्त नही कर सकेंगे और आपकी योजना हानिप्रद प्रमाणित होगी। अर्थात् आपको काम-धंधे से नुकसान उठाना पड़ सकता है। अतः आप सुरक्षित ढंग से धन का बचत नियमित करें जो आपके संवेदनशील परिस्थिति में सहायक हो सके।

यदि आप किसी भी, परिस्थिति या मौसम के प्रारंभिक काल अर्थात् कोई भी कार्य प्रारंभ करने के पहले निम्नलिखित निर्देशों का पालन करें तो यह आपके लिए लाभजनक सिद्ध होगा।

आप काले रंग के वस्त्रों एवं धातुओं का त्याग कर पीले, लाल एवं ताम्रवर्ण रंग को अपनाएं जो आपके लिए सर्वथा अनुकूल है।

आपके लिए मंगलवार, गुरुवार, रविवार एवं सोमवार उपयुक्त एवं भाग्यशाली दिन है। शुक्रवार, शनिवार एवं बुधवार तीन दिन आपके लिए प्रतिकूल एवं व्ययकारी होंगे।

आपके लिए अंक 9 और 1 अंक अनुकूल, अंक 4 एवं 8 अंक प्रभावक परंतु अंक 6 एवं 7 अंक आपके लिए प्रतिकूल फलदायक अंक हैं।